

हिन्दी विभाग

बाल दिवस : 14 नवम्बर 2024

दिनांक 14 नवम्बर 2024 को हिन्दी विभाग खरासेया में छात्रों का सम्मान करते हुए बाल दिवस मनाया गया। विभाग प्रमुख डॉक्टर रमेश टडन ने बाल दिवस को यादगार और अद्वितीय तरीके से एक उत्सव के रूप में मनाने को योजना बनाई तथा इसे मूर्ते रूप देते हुए बहतरीन ढंग से सजावट किए हुए अध्ययन कक्ष में स्वयं एवं इनके सहयोगी शिक्षक कुसुम चौहान, अजना शास्त्री और डॉक्टर डायमड साहू ने उपस्थित सभी छात्र छात्राओं का सम्मान करते हुए तुलसी पणे से जल आचमन क., रोलो बदन पीला चावल से माथे पर तिलक लगाया और उज्जवल भावध्य को कामना करते गुए लेखनी भट को। सभी छात्रों ने अपने घर से माया स्वयं के हाथों से बने छत्तीसगढ़ी पाक कला से युक्त विवेद्ध प्रकार के खाद्य पदार्थ जैसे अड़ेरसा, ठेठरी, खुरमी, नमकोन, नमकोन कटनी, मीठा कटनी, खीर, गुड़ सोहारी, पागो लाए और इसे आपस में साझा करते हुए सभी ने एक साथ खाने का आनंद लिया। विभाग की तरफ से राजभीग, बड़ी जलेबी और केक खिलाया गया। सभी छात्रों ने एक दुसरे के माथे पर विवेद्ध रंगों से तिलक लगाते हुए बाल दिवस को बधाइयां दी। शिक्षक चतुष्टय ने भी सभी छात्रों को बाल दिवस को शुभकामनाएं दी।

राहुल दास, धनेश्वरी लहरे, श्रेया सागर, बुबुन घृतलहरे, विवेक साहू, विनायक पटेल, जीतू जोशी, प्रीति राठेया, सुनेता राठेया, नमेदा राठेया, अजली सेदार, जय प्रकाश, चन्द्रकान्ते, चम्पा सेदार, पुष्पेन्द्र राठेया, उषा चौहान, आकाशा राठेया, गुलापी राठेया, टिकेश्वरी गुप्ता, डीलेश्वरी साहू, दुर्गेश पटेल, राजकुमारी सेदार, तोष कुमारी साहू, निशा सेदार, कुती सेदार, नरेन्द्र कुमार, अन्नपूर्णा जायसवाल, पायल जायसवाल, गज बाई भारद्वाज, सलोम राठेया, धनराज चद्रा, पुष्पा नागवशी आदि ने सादगी पूणे आयोजित इस उत्सव का आनंद उठाया। पहली बार बाल दिवस मनाए जाने पर छात्रों में काफी उत्साह और उमंग देखने को मिला। आयोजन के लिए छात्रों ने अपने शिक्षकों के प्रीति अत्यत उदार भाव से आदरपूर्वक आभार व्यक्त किया।





realme 11 Pro 5G
Rush



realme 11 Pro 5G
Rush



realme 11 Pro 5G
Rush



realme 11 Pro 5G

Rashi 🌟

हिंदी विभाग में प्रथम बार बाल दिवस, शिक्षकों के द्वारा बंदन, पीला चावल से माथे पर तिलक लगाने से छात्र हुए गदगद

रघुवंश@सिरपण्डू

14 नवम्बर 2024 को हिंदी विभाग खरसिया में छात्रों का सम्मान करते हुए बाल दिवस मनाया गया। विभाग प्रमुख डॉक्टर रमेश ठंडन ने बाल दिवस को बादाम और आद्वानीय तरीके से एक उत्सव के रूप में मनाने की घोषणा अनाई तथा इसे मूर्ति रूप देते हुए बोहतरीन ढंग से सजावट किए हुए अध्ययन कक्ष में स्थायं एवं इनके सहयोगी शिक्षक कुसुम चौहान, अजना शास्त्री और डॉक्टर डियमंड साहू ने उपस्थित सभी छात्रों का सम्मान करते हुए तुलसी पर्ण से जल आचमन कर, ऐली बंदन पीला चावल से माथे पर तिलक लगाया और उज्जवल ध्वनिय की कामना करते हुए लेखनी भैंट की। सभी छात्रों ने अपने घर से माँ या स्वर्य के हाथों से बने हुए छत्तीसगढ़ी पाक कला से सुकृत ध्वनिय प्रकार के खाद्य पदार्थ जैसे अंडरसा, डेली, खुरमी, नमकीन, नमकीन कटनी, भींट कटनी, खीर, मुळ सोंकरी, चोंगी लाए और इसे आपस में साझा करते हुए सभी ने एक साथ खाने का आनंद लिया। विभाग की तरफ से राजपांग, बड़ी जलेबी और केक खिलाया गया। सभी छात्रों ने एक दुसरे के माथे पर ध्वनिय रंगों से तिलक लगाते हुए बाल दिवस की बधाईयाँ दीं। शिक्षक चतुष्प ने भी सभी छात्रों को बाल दिवस की शुभकामनाएँ दीं।

गहूल दास, लनेश्वरी लहरे, श्रेया सागर, बुबुल शुवलहरे, विवेक साहू, विनायक पटेल, जीतू जोशी, ग्रीति राजिया, सुनिता राजिया, नरेंद्र राजिया, अंजली सिद्धार, जय प्रकाश, चन्द्रकान्ति, चम्पा सिद्धार, पुष्पेन्द्र राजिया, ऊजा चौहान, आकाशा गाठेर, गुलामी राजिया, टिकेश्वरी गुप्ता, डैलेश्वरी साहू, तुर्जीश पटेल, राजकुमारी सिद्धार, तोष कुमारी साहू, निशा सिद्धार, कुंती सिद्धार, नरेन्द्र कुमार, अन्नपूर्णा जायसवाल, पायल जायसवाल, गज बाई भारद्वाज, सलीम राजिया, धनराज चद्वा, पुष्णा नागबंशी आदि ने सादगी गूण आयोजित इस उत्सव का आनंद उठाया।



पहली बार बाल दिवस मनाए जाने पर छात्रों में काफी उत्साह और उमंग देखने को मिला। आयोजन के लिए छात्रों ने अपने शिक्षकों के प्रति अल्पत उदार भाव से आदरपूर्वक आभार व्यक्त किया।

हिंदी विभाग में प्रथम बार बाल दिवस मनाया गया

खरसिया। 14 नवम्बर को हिंदी विभाग खरसिया में छात्रों का सम्मान करते हुए बाल दिवस मनाया गया। विभाग प्रमुख डॉक्टर रमेश टंडन ने बाल दिवस को यादगार और अद्वितीय तरीके से एक उत्सव के रूप में मनाने की योजना बनाई तथा इसे मूर्त रूप देते हुए बेहतरीन



ढंग से सजावट किए हुए अध्ययन कक्ष में स्वयं एवं इनके सहयोगी शिक्षक कुमुम चौहान, अंजना शास्त्री और डॉक्टर डायमंड साहू ने उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं का सम्मान करते हुए तुलसी पर्ण से जल आचमन कर, रोली वंदन पीला चावल से माथे पर तिलक लगाया और उज्जबल भविष्य की कामना करते गुए लेखनी भेट की।

सभी छात्रों ने अपने घर से मां या स्वयं के हाथों से बने हुए छत्तीसगढ़ी पाक कला से युक्त विविध प्रकार के खाद्य पदार्थ जैसे अईरसा, ठेठी, खुरमी, नमकीन, नमकीन कटनी, मीठी कटनी, खीर, गुड़ सोहारी, पोंगी लाए और इसे आपस में साझा करते हुए सभी ने एक साथ खाने का आनंद लिया। विभाग की तरफ से राजभोग, बड़ी जलेबी और केक खिलाया गया। सभी छात्रों ने एक दूसरे के माथे पर विविध रंगों से तिलक लगाते हुए बाल दिवस की बधाईयां दी।

शिक्षक चतुष्य ने भी सभी छात्रों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दी। राहुल दास, धनेश्वरी लहरे, श्रेया सागर, बुबुन बृतलहरे, विवेक साहू, विनायक पटेल, जीतू जोशी, प्रीति राठिया, सुनिता राठिया, नर्मदा राठिया, अंजली सिदार, जय प्रकाश, चन्द्रकान्ति, चम्पा सिदार, पुष्पेन्द्र राठिया, उषा चौहान, आकांक्षा राठैर, गुलापी राठिया, टिकेश्वरी गुप्ता, डिलेश्वरी साहू, दुर्गेश पटेल, राजकुमारी सिदार, तोष कुमारी साहू, निशा सिदार, कुंती सिदार, नरेन्द्र कुमार, अनन्पूर्णा जायसवाल, पायल जायसवाल, गज बाई भारद्वाज, सलीम राठिया, धनराज चंद्रा, पुष्पा नागवंशी आदि ने सादगीपूर्ण आयोजित इस उत्सव का आनंद उठाया। पहली बार बाल दिवस मनाए जाने पर छात्रों में काफी उत्साह और उमंग देखने को मिला। आयोजन के लिए छात्रों ने अपने शिक्षकों के प्रति अत्यंत उदार भाव से आदरपूर्वक आभार व्यक्त किया।